प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक : 18 फरवरी, 2026 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज झारखण्ड विधान सभा में भारत के संविधान के अनुच्छेद 176 (1) के अंतर्गत षष्ठम झारखण्ड विधान सभा के पंचम (बजट) सत्र को संबोधित किया।

इससे पूर्व राज्यपाल महोदय के झारखण्ड विधान सभा परिसर पहुँचने पर विधान सभा अध्यक्ष श्री रबीन्द्र नाथ महतो द्वारा स्वागत किया गया।

---

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज सरला बिरला विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह के अवसर पर उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता एवं शिक्षकों के समर्पण का भी प्रतिफल है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि दायित्व ग्रहण

करने का संस्कार है। शिक्षा का उद्देश्य मात्र रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि उत्तरदायी एवं राष्ट्र-निर्माण में सहभागी नागरिक बनना है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जीवन की चुनौतियों का आत्मविश्वास एवं उत्कृष्टता के साथ सामना करें। उन्होंने कहा कि यह जानकर प्रसन्नता है कि विश्वविद्यालय आधुनिक अधोसंरचना, प्राकृतिक वातावरण एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप बहुआयामी शिक्षण पद्धति के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय द्वारा चार विशिष्ट व्यक्तित्वों यथा इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारयणन जी, माननीय राज्यसभा सांसद एवं उद्योगपति श्री गोविंदभाई लालजीभाई ढोलकिया, डायरेक्टर जनरल, ECS, DRDO एवं अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी कोच पद्मश्री पूर्णिमा महतो को मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। राज्यपाल महोदय ने कहा कि इन सभी का योगदान युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

माननीय राज्यपाल ने “विकसित भारत@2047” के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि ज्ञान, विज्ञान, नवाचार एवं नैतिक मूल्यों पर आधारित समग्र विकास ही राष्ट्र की दिशा है। उन्होंने युवाओं को ‘जॉब सीकर’ नहीं, बल्कि ‘जॉब क्रिएटर’ बनने का संदेश दिया तथा स्टार्ट-अप, डिजिटल नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों

के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया। राज्यपाल महोदय ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए इसरो की सफलताओं, विशेषकर चंद्रयान-3 और आदित्य L1 मिशनों का उदाहरण देते हुए कहा कि स्पष्ट लक्ष्य और दृढ़ संकल्प से कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास बनाए रखने हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि विकसित भारत का भविष्य युवाओं के हाथों में है।